प्रकाशनार्थः

आज की समस्याओं का समाधान है अणुव्रत : मुनि सुखलाल

दिल्ली, 3 सितम्बर 2012

आचार्य महाश्रमण के शिष्य मुनिश्री सुखलालजी ने कहा कि सत्य शब्द तो बहुत छोटा है लेकिन विरले ही होते हैं जो इसे समझते है। अध्यात्म, धर्म, सम्प्रदाय ये तीन शब्द हैं, आचार्य तुलसी ने इन तीनों को मिलाकर एक निर्विशेषण धर्म बनाया जिसे अणुव्रत का नाम दिया। अणुव्रत नैतिक मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने का आन्दोलन है। आज देश के सामने बहुत सी समस्याएं है। इसके लिए जनता को जाग्रत करना होगा सरकार को भी नियंत्रित जनता ही कर सकती है। आज जीवन में हर पहलु पर कठिनाइयों का दौर चल रहा है। अणुव्रत के छोटे-छोटे नियमों को पालन करके हम इससे निजात पा सकते हैं। अणुव्रत के नियम नए नहीं है, बहुत पुराने हैं, इन छोटे-छोटे नियमों के द्वारा हम अपने जीवन को सार्थक एवं सफल बना सकते हैं।

मुनिश्री सुखलाल ओसवाल भवन में दिल्ली प्रदेश अणुव्रत समिति द्वारा आयोजित साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस का कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे। यह कार्यक्रम अणुव्रत महासमिति द्वारा आयोजित अणुव्रत उद्‌बोधन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया गया। जिसमें सभी मुख्य धर्मों हिन्दु, मुस्लिम, ईसाई, सिख एवं जैन धर्म के अनुयायी अपने गुरुओं के साथ शामिल हुए।

मुनिश्री ने आगे कहा कि अणुव्रत उदबोधन सप्ताह के प्रथम दिन आज साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह बहुत ही प्रशंसनीय एवं विचारणीय विषय है अगर हम साम्प्रदायिक घृणा नहीं फैलाने का संकल्प लेते हैं तो हमारा राष्ट्र बहुत ही सुखी, समृद्ध एवं शान्तिमय राष्ट्र बन जायेगा। आचार्य महाश्रमणजी अणुव्रत विचार को लेकर अगले वर्ष हरियाणा पंजाब होते हुए दिल्ली में भी इसकी गूंज को फैलायेंगे।

इस अवसर पर मेथोडिस्ट चर्च के श्री जेम्स सुशील मैसी ने कहा कि साम्प्रदायिक सौहार्द सिर्फ शब्द मात्र नहीं है, इसकी परम आवश्यकता है। मानवजाति को प्रेम का संदेश प्रभु यीशु देते हैं। मौलाना फारूक रजा बरकाती ने कहा कि इस्लाम मोहब्बत एवं इबादत का संदेश देता है। जो हिंसा में लिप्त हैं, वे मुसलमान नहीं है। स्वामी अनुभूतानन्दजी ने हिन्दू धर्म की मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए सारगर्भित वक्तव्य दिया। सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य ग्रंथी राजेन्द्र सिंहजी ने गुरुनानक देव की वाणी प्रस्तुत की। यमुना विकास बोर्ड के चैयरमैन विधायक डा. नरेन्द्रनाथजी ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सौहार्द का एक विशिष्ट उपक्रम है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ आर्षवाणी से हुआ। महिला मण्डल द्वारा स्वागत गीत एवं अणुव्रत गीत का संगान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन श्री बाबूलाल दूगड़, अध्यक्ष दिल्ली अणुव्रत समिति ने किया। आगन्तुकों का स्वागत शाहदरा सभा एवं ओसवाल समाज ने किया।

प्रेषकः

(ललित गर्ग)
प्रचार-प्रसार मंत्री : अणुव्रत महासमिति
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
नई दिल्ली-110002
मो. 9811051133